Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

AFMA–112

M.A. (Final) Examination, 2023

RAJASTHANI

Paper - II

(आधुनिक राजस्थानी गद्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सगळां सवालां रा पडूत्तर राजस्थानी में ई देवणा है)

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते 2 अंक अर **50** सबदां मांय देवणां है।

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात सवालां मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **200** सबद अर **8** अंक राखीज्या है।

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार सवालां मांय सूं कोई **दोय** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **500** सबद अर **20** अंक राखीज्या है।

खण्ड–अ

नोट :– नीचे लिख्योड़ा सवालां रा पडूत्तर देवो। (सबद सींव **50** सबद) :

1. (i) 'पाबूजी री पड़' रो चलन अर चाव कठै घणो है ?

   (ii) 'बुगचो' किणनै कैयो जावै ?

   (iii) 'तास रो घर' नाटक रा कोई च्यार पात्रां रो नांव लिखो।

   (iv) 'तास रो घर' नाटक रै आखिर मांय आतमघात कुण करै ?

   (v) अन्नाराम सुदामा रा कोई **दो** उपन्यासां रा नांव बताओ।

   (vi) 'सुदामा' किण उपन्यास रो पात्र है ? उणरी सारीरि कमी कांई ही ?

   (vii) 'खजानो' कहाणी रो रचनाकार कुण है ?

   (viii) 'अलेखूं हिटलर' कहाणी मांय हिटलर कुण-कुण है ?

   (ix) 'हूं गोरी किण पीव री' किण विधा री रचना है अर रचनाकार रो नांव कांई है ?

   (x) 'मिनखां री माया' किण विधा री रचना है अर रचनाकार रो नांव कांई है ?

खण्ड–ब

नोट :– नीचै लिख्योड़ा पद्यांसां री प्रसंग समेत व्याख्या लिखो। कोई **पांच** सवालां रो जवाब लिखणो है। (सबद सींव **200** सबद)।

2. राजस्थानी भाषा री मानता रा कस बायरा कस आंदोलनां रै आमै में आवै अर छंट जावै। मानता रै मेह री आस बंधै अर खिंड जावै। राजस्थानी भाषा मानता सारू किंया संविधान री आठवीं अनुसूची में सांभल करीजै ? केन्द्र कैवै थे राज्य सरकार सूं, प्रस्ताव लावौ, राज्य सरकार कैवे म्हे सर्वसम्मति चावां। नौ मण तेल हुवै न को राधा नाचै। जिका जागता घौरावै वां नै कुण जगावै ?

3. इण में गरमागरमी कियां हुयगी। होवण हाढा काम तो होयां रैसी। भाभी! बगत रा बाया मोती नई निपजै..... तो मानखो कुरळावण लाग जागैं। तूं सोच तो सही, इण आजादी रै पछै जलम्या मोट्यार कियां अनाथियै गोधै ज्यूं डांचां भरै है। वां सूं कियां चोखी उमेद राखी जै..... भाभी, आजादी रो जंजाळ टूटग्यो ..... थांरी आजादी रै पैरणनै घाघरो कोनी.....नांव सिणगारी पड़ग्यो।

4. अेक-दो साल सूं नहीं, जुगां-सूं देस आजाद हुग्यो तो ही, निस्चै ही थारै लारै लाग्योड़ो कोई इसो भूत हैं जींवतो जागतो। बो धारै पसीनै रो मोती चुगै, न बो कदेई कसियो हाथ में लेवै, न हळ सार जाणै अर न उपाड़न-ऊपड़न सार-मानै खाली ईरो ही दुख आवै। भैंस थारी, चारो थारो अर दूध काढणो अर जयाणो बिलोणो थारो, पण बींरो माखण दूजैरो, थानै छाछ घालता ई दोरा।

5. पण मलूकदास ई नुगरो हीं हो। उण गाम सूं जितरो लियो उणसूं ई बेसी पाछो देय दियो। लियो जिणरी कीमत तो उणरै पोतारै पिंड तांईंज ही, पण दियो जिणरो थाग पीढियां लग हो। स्कूल में छोरा दो दूनी च्यार सूं आगै तीन दूनी छः भलांई नीं सीख्या व्हो, पण बीड़ी पीवणी, चोरी करणी, कूड़ बोलणी अर आगा-पाछी करणी आछी तरियां सीखग्या।

6. अबै तो गांव-गांव स्कूल है, कस्बां में भी कॉलेज खुलण लागा है। घर बैठां गंगा आवै अर पछै कोई निरभागी असनांन नीं करै, अफशोष री बात है। अब तो पंच-सरपंच, समिति रा सदस्य बणण खातर भी साक्षर होणो जरूरी है। राज कानून बणाया है, निरक्षरता तो पाप है। जिका घरां में शिक्षा रो चांनणौ है उठै सुख है, सम्पत है, समृद्धि है।

7. ओ सगळो देस भाठो हुय रयो है। इण देस मांस जिका मिनख है, मिनख नईं कीड़ियां है, खीरा ज्यूं बढतैं भाठै माथै हालै है ..... उणां रै डील मांय लाय-पलीता लाग्योड़ा है, पण बापड़ा चिरळानीं सकै! अर आ बावळ जुगसत्त नैनीं समझैं! खैर, नीं समझसी तो फोड़ा पासी!

8. एक सपनो सोक आयो अर म्हं नैं डोकरी अपणा पोता-पोत्यां सूं बंधी शेवणी सूरत बणायां आंगणा में ऊभी दीखी। माथा की रेखां अर गालां की लूलर्यां सूं लेर आंख्यां की ललाई अर होटां का संवळास तांई सारो संसार गम जाबा को गम देख्यो। ''बा कांई लाई ? —बा कांई लाई ?'' करता अर लीरड़ा-लीरड़ा होयी सावली सूं लूमता बाळक देख्या।

खण्ड–स

नोट :– नीचै लिख्या सवालां मांय सूं किणी **दो** सवालां रा पडूत्तर देवणा है। (सबद सींव **500** सबद)।

9. 'सोनै सटै सपूत' निबंध मांय किण सामाजिक अबखायां रो वरणन हुयो है ? इण अबखायां रो समाधान निबंधकार किण तरै सूं बतायो है ?

10. नाटकीय तत्त्वां रै आधार माथै 'तास रो घर' नाटक री विरोळ करो।

11. उपन्यास तत्वां रै आधार माथै 'मेवै रा रूंख ?' उपन्यास री समीक्षा करो।

12. कहाणी तत्वां रै आधार माथै 'रजपूताणी' री समीक्षा करो।